>

Title: Need to allocate more funds for the relief activities to the heavy rain affected people of Uttarakhand.

**श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल):** सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। उत्तराखंड में अतिवृष्टि होने से सारी व्यवस्था चरमरा गई है। वहां सड़कें टूट गई हैं। वहां पर हजारों यात्री बद्रीनाथ और हेमकुंड साहब में फंसे हुए हैं। बच्चे दूध के लिए बिलख रहे हैं। लोगों को भोजन नहीं मिल पा रहा है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उत्तरकाशी की भटवाड़ी तहसील में जमीन के फटने से दो सौ परिवार विस्थापित हो गए हैं। 40 दुकानें बिल्कुल बर्बाद हो चुकी हैं। पिथौरागढ़ में कैलाश-मानसरोवर का यात्रा मार्ग भारी वर्षा के कारण बह चुका है। कालीमठ में काली गंगा के कटाव के कारण बीस मीटर सड़क बह गई है। गुप्तकाशी-छेनागाड़, विजय नगर-भटवाड़ी, भीरी-परकंडी और तिलवाड़ा-बावई मोटर मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं। जिला पौड़ी-गढ़वाल की थैलीसैंण तहसील में कई मकान ध्वस्त हो चुके हैं। बीरोंखाल के ग्राम कुणजोली में बादल के फटने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उत्तरकाशी-मोरी त्यूनी मोटर मार्ग टूट चुका है। बागेश्वर में प्रधानमंत्री जी ने एक लाख मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि दी है और 50 हजार घायलों को दी है।

सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं और यह अनुरोध करना चाहता हूं कि यहां आर्मी और आईटीबीपी को लगाया जाए। केन्द्र डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए अधिक से अधिक पैसा दे ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके और भोजन सामग्री उपलब्ध हो सके। धन्यवाद।